18वाँ इंडो-यूएस फ्लो साइटोमेट्री वर्कशाप

सीआईएसआईआर-भारतीय विषविज्ञान अनुसंधान संस्थान में अंतर्राष्ट्रीय सोसाइटी फॉर एडवांसमेंट ऑफ फ्लो साइटोमेट्री के सहयोग से 22 से 24 फरवरी 2017 तक 18वी इंडो-यूएस फ्लो साइटोमेट्री कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्देश्य फ्लो साइटोमेट्री तकनीक सीखने और नैनोमेटीरियल टॉक्सिकोलॉजी के क्षेत्र में इसे लागू करने के लिए नैनोमेटोरियल के साथ जुड़े शोधकर्ताओं के लिए एक मंच प्रदान करना है। भारतीय अमेरिकी साइटोमेट्री कार्यशालाओं काआरंभ 2001 में, विदेशों में साइटमैट्री के विशेषज्ञों के साथ भारतीय शोधकर्ताओं के इंटरफेसिंग को बढ़ाने के उद्देश्य से मियामी विश्वविद्यालय से डॉ. अवतार कृष्ण, भारत के डॉ. रणबीर सोबती, पंजाब विश्वविद्यालय और डॉ. अरविंदर सिंह, बीडी साइटोमेट्री के साथ मिलकर शुरू किया। उपकरण निर्माता (जो कार्यशालाओं के लिए अपने नवीनतम उपकरणों और कर्मचारियों को प्रदान करते हैं) व लाइव एजुकेशन टास्क फोर्स ऑफ द इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर एडवांसमेंट ऑफ साइटोमेट्री (आईएसएसी) और मुख्य संकाय सदस्यों के एक महत्वपूर्ण समूह के सहयोग और सक्रिय समर्थन के कारण एक बड़ी संख्या में दुनिया भर से शोधकर्ताओं ने जैव-चिकित्सा अनुसंधान में लेजर फ्लो साइटोमेट्री के नवीनतम अनुप्रयोगों में प्रशिक्षित किया गया है।

उद्घाटन समारोह; मंच पर बैठे हुए (बाएं से दाएं): प्रोफेसर आलोक धावन, निदेशक, सीएसआईआर-आईआईटीआर, डॉ एस. श्रीकांत, पूर्व निदेशक, सीएसआईआर-एनएमएल, जमशेदपुर एवं डॉ आलोक कुमार पाण्डेय, वरिष्ठ वैज्ञानिक, सीएसआईआर-आईआईटीआर।

विभिन्न प्रशिक्षण सत्र में वक्ता एवं प्रतिभागी